ੴ

SADBHAVNA DIWAS

17th November 2024

BADA GURUDWARA PRABANDHAK COMMITTEE, DHANBAD
GURU NANAK COLLEGE DHANBAD

गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी, बड़ा गुरुद्वारा, धनबाद एवं गुरु नानक कॉलेज, धनबाद द्वारा **सद्भावना दिवस का आयोजन।**

दिनांक: 17/11/204

गुरु नानक देव जी की 556वीं जयंती के उपलक्ष्य में फूलकारी हॉल, कतरास रोड, धनबाद में संध्या 7 बजे से "सद्भावना दिवस" आयोजित किया गया।जिसका विषय 'फिलॉसफी ऑफ म्यूजिकोलॉजी इन रिलिजियन' था, इसमें देशभर से आए विद्वानों, समाजसेवियों, धर्मगुरुओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ सरदार दिलजॉन सिंह ग्रेवाल के स्वागत भाषण से हुआ उन्होंने अपने संबोधन में सभी विद्वानों और आगंतुकों का हृदयतल से स्वागत किया और आयोजन के उद्देश्यों को रेखांकित किया। भाई मनप्रीत एवं समूह द्वारा सबद की प्रस्तुत किया गया।

प्रथम वक्ता डॉ. डेनियल माइकल प्रसाद, एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेटर बोकारो, ने अपने संबोधन में ईसाइयत एवं सगींत के अभिन्न दर्शन को बताया । उन्होंने ईसाई धर्म ग्रंथों में ईश्वर को सांगितिक आह्वाहन को अहम् बताया । उन्होंने कहा यहोवा एवं हालेलूईया को संगीतबद्ध ऋचाओं (Psalms) से प्रार्थना की जाने की धार्मिक दर्शन लिपिबद्ध है ।

धनबाद पब्लिक स्कूल के श्री सतीश कैंदरिया एवं छात्रों द्वारा 'राखा एक हमारा स्वामी' सबद गायन सम्पन्न हुआ।

डॉ. जमशेद आलम, पटना परसियन साहित्यकार ने अपने संबोधन में इस्लाम धर्म में सूफ़ी संगीत के महत्व को दर्शाया । उन्होंने प्रख्यात सूफ़ी रूमी, रुबियात के योगदान को बतलाते हुए , निजामुद्दीन औलिया , अमीर खुसरो के सूफ़ी साहित्य के अर्थ को समझाया । सुफियान सफर एवं पर्वरदिगार के मेल को बड़ी बारीकीयों से अवगत कराया । सूफ़ी संगीत और इस्लाम धर्म के

बीच गहरा संबंध है, जो की संगीत एवं विभिन्न धर्मों में देखा जा सकता है।संगीत का उपयोग धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-पाठ, और आध्यात्मिक अभिव्यक्ति के लिए किया जाता है।

जोया म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा शब्द गायन किया गया।

डॉ. तापती चक्रवर्ती ने अपने संबोधन में संगीत के अवतरण एवं सनातन धर्म में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला । उन्होंने गीत , संगीत एवं नृत्य को प्रकृति की सृजन में दर्शाया । शिव का तांडव नृत्य को प्रकृति विनाश एवं सामवेद समेत धार्मिक ऋचाएं, सुक्तियाँ , मन्त्रादी में संगीत की अभिन्न योग स्थापित है । आधुनिक जीवन एवं धर्म में संगीत के दर्शन के महत्व की ज्ञानवर्धक विवेचना बड़ी सरलता की।

गुरु नानक कॉलेज धनबाद के छात्रों द्वारा सबद गायन किया गया।

मुख्य वक्ता डॉ. अनुराग सिंह लेखक, लुधियाना ने अपने वक्तव्य में एक ओमकार के महत्व पर प्रकाश डाला । उन्होंने पैगम्बरों एवं संतो के शब्दों को समझने एवं अनुपालन करने को कहा । सर्व धर्म एक ईश्वर पर आधारित है । उन्होंने शंकावादी विचारधारा से बचने की सलाह दी।यह कार्यक्रम न केवल गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को याद करने का अवसर बना, बल्कि समाज में समरसता, एकता और सेवा भावना को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी साबित हुआ। उपस्थित जनसमूह ने सद्भावना दिवस की भूरि-भूरि प्रशंसा की और इसे एक प्रेरणादायक पहल बताया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। आयोजन समिति से सरदार मंजीत सिंह ने सभी अतिथियों, वक्ताओं और दर्शकों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद उपस्थित जनसमूह ने सामूहिक रूप से गुरु का लंगर ग्रहण किया। समस्त कार्यक्रम गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, बैंक मोड़ बड़ा गुरुद्वारा और गुरु नानक कॉलेज, धनबाद के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ।

HAVNA DIWAS

SADBHAVNA

SADBHAVNA DIWAS

News Articles

धनबाद 19-11-2024

दैनिक भास्कर, धनबाद, मंगलवार, 19 नवंबर, 2024 | 6

फूलकारी हॉल कतरास रोड धनबाद में गुरुनानक देव जी की जयंती पर मना सद्भावना दिवस, युवक-युवतियों ने प्रस्तुत किया शबद गायन

आधुनिक जीवन और धर्म में संगीत के दर्शन के महत्व की ज्ञानवर्धक विवेचना करना बड़ा सरल : डॉ. तापती चक्रवर्ती

सिटी रिपोर्टर | धनबाद

गुरुनानक देव जी की जयंती पर फूलकारी हॉल कतरास रोड धनबाद में सद्भावना दिवस मनाया गया। इसका विषय फिलॉसफी ऑफ म्यूजिकोलॉजी इन रिलिजियन था। कार्यक्रम में देशभर से आए विद्वान, समाजसेवी, धर्मगुरु और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी बैंक मोड़ बड़ा गुरुद्वारा और गुरु नानक कॉलेज धनबाद के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। प्रथम वक्ता एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेटर बोकारो के डॉ. डेनियल माइकल प्रसाद ने कहा कि ईसाई धर्म ग्रंथों में ईश्वर का सांगितिक आह्वाहन अहम है। यहोवा और हालेलूईया संगीतबद्ध ऋचाओं से प्रार्थना की जाने का धार्मिक दर्शन लिपिबद्ध है। डॉ. तापती चक्रवर्ती ने कहा आधुनिक जीवन और धर्म में संगीत के दर्शन के महत्व की ज्ञानवर्धक विवेचना करना सरल है। इस दौरान धनबाद पब्लिक स्कूल के सतीश केंदरिया और छात्रों ने राखा एक हमारा स्वामी शबद गायन प्रस्तुत किया। गुरु नानक कॉलेज धनबाद के छात्रों, मनप्रीत, समूह और जोया म्यूजिकल ग्रुप ने भी शबद गायन प्रस्तुत की। इससे पहले स्वागत भाषण सरदार दिलजॉन सिंह ग्रेवाल ने दिया। अंत में सभी ने सामूहिक रूप से गुरु का लंगर ग्रहण किया। मौके पर सरदार मंजीत सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

सर्व धर्म एक ईश्वर पर आधारित : डॉ. अनुराग सिंह

मुख्य वक्ता लुधियाना के लेखक डॉ. अनुराग सिंह एक ओम्कार के महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि पैगम्बरों और संतो के शब्दों को समझें और उसका अनुपालन करें। सर्व धर्म एक ईश्वर पर आधारित है। शंकावादी विचारधारा से बचें। यह कार्यक्रम न केवल गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं को याद करने का अवसर बना, बल्कि समाज में समरसता, एकता व सेवा भावना को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी साबित हुआ।

सनातन धर्म में संगीत का महत्व है : डॉ. तापती

डॉ. तापती चक्रवर्ती ने संगीत के अवतरण और सनातन धर्म में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने गीत, संगीत और नृत्य को प्रकृति की सृजन में दर्शाया। कहा कि शिव का तांडव नृत्य प्रकृति विनाश को दर्शाता है। सामवेद समेत धार्मिक ऋचाएं, सुक्तियां, मन्त्रादी में संगीत का अभिन्न योग स्थापित है। आधुनिक जीवन और धर्म में संगीत के दर्शन के महत्व की ज्ञानवर्धक विवेचना बड़ी सरल है।

सूफी संगीत और इस्लाम धर्म के बीच गहरा संबंध : डॉ. जमशेद आलम

पटना के परसियन साहित्यकार डॉ. जमशेद आलम ने इस्लाम धर्म में सूफी संगीत के महत्व को दर्शाया। प्रख्यात सूफी रूमी, रुबियात के योगदान को का जिक्र करते हुए निजामुद्दीन औलिया, अमीर खुसरो के सूफ़ी साहित्य के अर्थ को समझाया। सुफियान सफर और पर्वरदिगार के मेल को बड़ी बारीकीयों से अवगत कराया। कहा कि सूफी संगीत और इस्लाम धर्म के बीच गहरा संबंध है, जो कि संगीत और विभिन्न धर्मों में देखा जा सकता है। संगीत का उपयोग धार्मिक अनुष्ठानों, पूजा-पाठ और आध्यात्मिक अभिव्यक्ति के लिए किया जाता है।

Dainik Bhaskar, Dhanbad
Dated- 19th Nov 2024

कई धर्मों में संगीतशास्त्र के दर्शन से रूबरू हुए विद्यार्थी

गुरुनानक कालेज में सद्भावना दिवस मना

सद्भावना दिवस पर सबद गायन करते गुरुनानक कालेज के विद्यार्थी • जागरण

- इसाई धर्म ग्रंथों में ईश्वर का सांगितिक आह्वान : डा. डेनियल
- सर्व धर्म एक ईश्वर पर आधारित : डा. अनुराग
- प्रकृति के सृजन में सगीत का अहम योगदान : डा. ताप्ती

जागरण संवाददाता, धनबाद : एक ओमकार का महत्व सभी जगहों पर है। पैगंबरों एवं संतों के शब्दों को समझने और उसके अनुपालन की आवश्यकता है। सर्व धर्म एक ईश्वर पर आधारित है। शंकावादी विचारधारा से बचने की जरुरत है। यह बातें पंजाब के लुधियाना से आए लेखक डा. अनुराग सिंह ने कही। सोमवार को वे गुरुनानक कालेज में गुरु नानक देवजी की 556वीं जयंती के अवसर पर आयोजित सद्भावना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह का विषय विभिन्न धर्मों में संगीतशास्त्र कर दर्शन निर्धारित था। इस दौरान उन्होंने बताया कि गुरु नानक देवजी की शिक्षाओं को याद करने का यह एक सुनहरा अवसर है। समाज में समरसता, एकता और सेवा भावना को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी है।

बीबीएमकेयू की डा. ताप्ती चक्रवती ने संगीत के अवतरण एवं सनातन धर्म में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने गीत, संगीत एवं नृत्य को प्रकृति के सृजन से संबंधित बताया और कहा कि शिव तांडव नृत्य को प्रकृति विनाश माना जाता है, जबकि सामवेद

बोकारो के एजुकेशनल प्रशासक डा. डेनियल माइकल प्रसाद ने इसाइयत एवं सगींत को एक दूसरे का पूरक बताया और कहा कि इसाई धर्म ग्रंथों में ईश्वर का सांगितिक आह्वान अहम है। उन्होंने कहा कि यहोवा एवं हालेलूईया को संगीतबद्ध ऋचाओं से प्रार्थना की जाने की धार्मिक दर्शन लिपिबद्ध है।

पटना के परसियन साहित्यकार डा. जमशेद आलम ने इस्लाम धर्म में सूफ़ी संगीत के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने प्रख्यात सूफ़ी रूमी, रुबियात के योगदान को बताते हुए निजामुद्दीन औलिया, अमीर खुसरो के सूफी साहित्य के अर्थ को समझाया। डा. आलम ने कहा कि सूफी संगीत और इस्लाम धर्म के बीच गहरा संबंध है। इसके अलावा सद्भावना दिवस समारोह के दौरान मनप्रीत एवं समूह, धनबाद पब्लिक स्कूल के सतीश केंदरिया एवं छात्रों

Dainik Jagran, Dhanbad
Dated- 19th Nov 2024